

प्रेषक,

किशन नाथ,
अपर सचिव/राज्य सम्पत्ति अधिकारी,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

वित्त अधिकारी,
उत्तराखण्ड शासन ।

राज्य सम्पत्ति विभाग

देहरादून: दिनांक 15 नवम्बर, 2007

विषय उत्तराखण्ड निवास नई दिल्ली भवन की बाहरी सतह पर पेन्टिंग एवं दीये ब्लाक के पीछे एम0पी0 भवन की ओर खुली जगह पर इण्टरलॉकिंग टाइल्स बिछाये जाने के कार्य के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अधीक्षण अभियन्ता, लखवाड व्यासी निर्माण मण्डल प्रथम, सिंचाई विभाग, देहरादून के पत्र संख्या-5161/लखवाड-1/आर-1 (रा0स0वि0), दिनांक-13 सितम्बर, 2007 के माध्यम से उपलब्ध कराये गये आगणन के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराखण्ड निवास नई दिल्ली भवन की बाहरी सतह पर पेन्टिंग एवं दीये ब्लाक के पीछे एम0पी0 भवन की ओर खुली जगह पर इण्टरलॉकिंग टाइल्स बिछाये जाने के कार्य जाने के कार्य हेतु रुपये 6.11 लाख की लागत के आगणन के सापेक्ष टी0ए0सी0 द्वारा सम्यक परीक्षणोपरान्त संस्तुत रुपये 5.99 लाख (रु. पाँच लाख, निन्यानब्बे हजार मात्र) की धनराशि पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान किये जाने की संस्तुति के दृष्टिगत इतनी ही धनराशि निम्न शर्तों के अधीन व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की महामहिम श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- वित्त अधिकारी, उत्तराखण्ड शासन उक्त स्वीकृति धनराशि का आहरण कर अधीक्षण अभियन्ता, लखवाड व्यासी निर्माण मण्डल प्रथम, सिंचाई विभाग, सिंचाई विभाग, देहरादून के पक्ष में बैंक ड्राफ्ट/चैक बना कर संबंधित कार्यदायी संस्था को उपलब्ध करायेंगे।

3- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता, द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिडयूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति हेतु नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता, का अनुमोदन आवश्यक होगा।

4- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

5- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय। कार्य की अनुमन्यता निर्धारित मानकों के अनुसार है, यह भी कृपया सुनिश्चित किया जाय।

6- एकमुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर, नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेक-अप किया जाय।

7- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही पूर्ण कर कार्यों को सम्पादित किया जायेगा।

- 8- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों द्वारा अवश्य करा लें। निरीक्षण के बाद स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।
- 9- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है, व्यय उन्हीं मदों पर किया जाए, एक मद की राशि दूसरे मदों पर कदापि व्यय नहीं की जाय।
- 10- प्रश्नगत कार्य अनुरक्षण इकाई द्वारा दिनांक 31-12-2007 तक पूर्ण करा लिये जायेंगे तथा आगणन को किसी भी दशा में पुनरीक्षित नहीं किया जायेगा।
- 11- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु संबंधित अधीक्षण अभियन्ता पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।
- 12- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष-2007-2008 के के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक-2052-सचिवालय सामान्य सेवायें-00-आयोजनेत्तर-091-संलग्न कार्यालय-03-राज्य सम्पत्ति विभाग-29-अनुरक्षण के नामे डाला जाएगा।
- 13- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-968/XXXii (5)/2007, दिनांक 06 नवम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(किशन नाथ)

अपर सचिव/राज्य सम्पत्ति अधिकारी।

संख्या 835 (1)/XXXii/2007 तददिनांक।

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड औबेराय भोटर्स बिल्डिंग, माजरा सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- अधीक्षण अभियन्ता, लखवाड व्यासी निर्माण मण्डल प्रथम, सिंचाई विभाग, देहरादून।
- 4- अधिशासी अभियन्ता, सुरंग एवं विद्युत गृह खण्ड-2, सिंचाई विभाग, देहरादून।
- 5- व्यवस्था अधिकारी, उत्तराखण्ड निवास, नई दिल्ली।
- 6- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- एन0आई0सी0/ग्रैंड फाईल।

आज्ञा से

(के0एस0विष्ट)

उप सचिव।